युवती :VINOTHINI **नक्षत्र :**मृगशिरा

	र शु म गु श रा ल मा	चं	बु
	राशी		
		के	

युवान :MARRISAMY **नक्षत्र :**मृगशिरा

	र शु म गु श रा ल मा	चं	बु
	राशी		
		के	

जन्म नक्षत्रों का ताल-मेल।

राशी	उत्तम
राशी अधिपति	उत्तम
वश्या	सहयोग का अभाव।
महेन्द्र	सहयोग का अभाव।
गण	उत्तम
योनी	संतोशकार
दिना	उत्तम
दीर्गा	सहयोग का अभाव।

दोश (दोश का न होना जन्मपत्रिका में ताल-मेल बैठने का संकेत हैं)

रज्जू	दोश मुक्त हैं।
वेध	दोश मुक्त हैं।

इसमें संतोशजन्य ताल-मेल बैठता है। (मध्यम)

नक्षत्र ताल-मेल की गणना 65%

मंगल दोश विवरण

जन्मपत्रिका में मंगल का प्रभाव महत्वपूर्ण स्थान रखता है। वैवाहिक जीवन में, जीवनसाथीओं के बीच का ताल-मेल मंगल के प्रभाव से बना रहता है। साधारण, एक खास प्रकार की मान्यता प्रचलीत है कि जन्मकुडंली में जब मंगल सातवें या आठवें स्थान पर रहता है तो अमंगल का कारण वनता। अनेक ग्रंथों में शास्त्रोक्त विवरणों से पता चलता है कि अनेक कारणों को लेकर मंगल के अशुभ प्रभाव से मुक्त रहा जा सकता हैं। इसका संक्षिप्त विवरण यहाँ दिया गया है।

मंगल के शुभ-अशुभ प्रभाव, लग्न स्थान की अपेक्षा से गणना की जाती है।

इस कन्या के राशीचक्र में मंगल पहला स्थान पर - तिव्र बुरि असर
इस जन्मपत्रीका में मंगल बलवंत रहा है और रुचकयोग के कारण मंगल अशुभ प्रभाव से मुक्त रहै है।

लडके के राशीचक्र में मंगल पहला स्थान पर - तिव्र बुरि असर
इस जन्मपत्रीका में मंगल बलवंत रहा है और रुचकयोग के कारण मंगल अशुभ प्रभाव से मुक्त रहै है।
मंगलदोष की समतुलना संतोशजनक रही है।

चंन्द्र की अपेक्षा मंगलदोष की क्षीणता।

इस कन्या के राशीचक्र में मंगल बारहवा स्थान पर - अंशिक प्रभाव प्रगट करनेवाला रहा है।
इस जन्मपत्रीका में मंगल बलवंत रहा है और रुचकयोग के कारण मंगल अशुभ प्रभाव से मुक्त रहै है।

लडके के राशीचक्र में मंगल बारहवा स्थान पर - अंशिक प्रभाव प्रगट करनेवाला रहा है।
इस जन्मपत्रीका में मंगल बलवंत रहा है और रुचकयोग के कारण मंगल अशुभ प्रभाव से मुक्त रहै है।
मंगलदोष की समतुलना संतोशजनक रही है।

शुक्र की उपस्थिती से मंगल दोष में निर्बलता।

इस कन्या के राशीचक्र में मंगल पहला स्थान पर - तिव्र बुरि असर
इस जन्मपत्रीका में मंगल बलवंत रहा है और रुचकयोग के कारण मंगल अशुभ प्रभाव से मुक्त रहै है।

लडके के राशीचक्र में मंगल पहला स्थान पर - तिव्र बुरि असर
इस जन्मपत्रीका में मंगल बलवंत रहा है और रुचकयोग के कारण मंगल अशुभ प्रभाव से मुक्त रहै है।
मंगलदोष की समतुलना संतोशजनक रही है।

मंगलदोश की संक्षीप्त जानकारी।

अवलंबीत	फल
लग्नस्थान	संतोषजन्य रहा है।
चन्द्रस्थान	संतोषजन्य रहा है।
शुक्रस्थान	संतोषजन्य रहा है।

इन जन्मपत्रीकाओं में लग्नस्थान से, चन्द्र और शुक्र की अपेक्षा से मंगलदोष से संतोषजन्य मुक्ती प्राप्त दिखाई देती है। इस कारण इन दोनों जन्मपत्रीकाओं में श्रेष्ठ प्रकार से तालमेल बैठा हुआ माना जाना चाहिऐं।

पाप साम्यता।

बुध, शनी, राहू, केतु और सूर्य लग्नस्थान की अपेक्षा से और चंन्द्र तथा शुक्र के स्थान की अपेक्षा से गुण-दोश फलों का समीकरण किया गया है।

पाप साम्यता फलों से संपूर्ण मुक्त स्थिती।

दशा सन्धी की जाँच।

कन्या की जन्म तिथी।	:	04-Sep-1988
जन्म के वक्त दशा की समतुलना	:	मंगल 2 साल, 2 महिने, 2 दिन.
गुरु : दशा की समाप्ती	:	05-11-2024

लडके की जन्म तिथी	:	06-Sep-1980
जन्म के वक्त दशा की समतुलना	:	मंगल 2 साल, 2 महिने, 2 दिन.
गुरु : दशा की समाप्ती	:	07-11-2016

महत्वपूर्ण दशा सन्धी इस जन्म पत्रीका में नहि दिखाई देती। यह एक श्रेष्ट संकेत है।

निर्देश

ताल-मेल श्रेष्ट तम रहा है।

खास नोंध।

लडके की जन्मपत्रीका के अपेक्षा कन्या का लग्नस्थान केन्द्र में स्थिर हैं। यह दोनों के मेल-झोल की ओर इशारा है और ताल-मेल बैठ सकता है।

V8.2.1.0/Hin/091105

Licensee : Astrowin, Selvi Xerox,
88,Kumaran Road,Tiruppur-1, TamilNadu,India. Ph : 0421 2244199 www.astrowin.in